विश्व वाणी

समर्पण

Vol. 17 - Issue 6 - June 2024 - Rs. 10/-

यीशु मसीह का सुसमाचार यह है कि यीशु सब का प्रभु है

June
2024

विश्ववाणी समर्पण

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 0129–4838657
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 040–27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विषय सूची

02 मनन के विषय

03 कार्यकारी निर्देशक...

07 यीशु सब का प्रभु है...

10 विशेष आकर्षण

18 नेटवर्क चेयरमैन...

22 प्रेयर नेटवर्क निर्देशक...

26 कार्यक्षेत्र के समाचार

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है।
वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

भाई एमिल जेबासिंह के

मनन के विषय

- सभी को सुसमाचार की आवश्यकता क्यों है?
  क्योंकि सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं
  सभी को उद्धारकर्ता की आवश्यकता क्यों है?
  क्योंकि पाप का परिणाम मृत्यु है!
- यदि शैतान – सुसमाचार या मेरे लिए है या आपके लिए
  यदि यीशु – सुसमाचार मेरे और आपके लिए है!
- जब हम अपने हाथ कसते हैं तो हम शांत हो जाते हैं
  जब हम अपने हाथ फैलाते हैं और दूसरों को देते हैं तो यह सुसमाचार बन जाता है!
- आप उन कीड़ों को पकड़ सकते हैं और मार सकते हैं जो आपको काटते हैं
  लेकिन आपके हृदय के जहर का क्या?
- साँप का काटना शरीर पर होता है
  लेकिन शैतान का काटना आत्मा पर होता है,
  साँप के काटने से ठीक होने के लिए हमें डॉक्टर की जरूरत है
  लेकिन शैतान काटे हुए को ठीक करने के लिए हमें स्वर्गीय डॉक्टर की जरूरत है!
- "सभी के लिए सुसमाचार" सभी द्वारा प्राप्त नहीं किया जा सकता,
  केवल वे ही प्राप्त कर सकते हैं जिन्होने यीशु को देखा है!
- जो विभाजित बंट गए हैं वे परेशान होगें
  जो एकजुट होकर कार्य करते हैं वे आन्नदित होंगे!
- धर्म क्या कहता है?
  सबके लिए सब कुछ
  पवित्र बाइबल क्या कहती है?
  सबके लिए "एक"
- मनुष्यों
  जब आपकी आत्मा यीशु का नाम फुसफुसाएगी।
  और आप उसका उच्चारण करेंगे तो आपका हृदय छलक उठेगा
  तब वहाँ प्रशंसा होगी!

प्रभु यीशु मसीह के उस अतुलनीय नाम में नमस्कार, जो सभी की भलाई करता है और सभी को दुष्ट आत्माओं के बंधन से स्वतंत्र करता है।

परमेश्वर निश्पक्ष है

हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमें दूसरों को उनकी भाषा में गवाही देने की आज्ञा दी है कि यीशु मसीह ही प्रभु हैं और जो लोग उन पर विश्वास करेंगे उन्हें पापों की क्षमा और अन्नत जीवन मिलेगा। हमें उन्हें प्रभु यीशु मसीह के शिष्य बनाने के लिए भी नियुक्त किया गया है!

विश्ववाणी सेवकाई का दर्शन उन गाँवों में भारतीय विश्वासियों की प्रार्थनाओं और सहयोग के माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों में सुसमाचार पहुँचाना है, जिन्होंने एक बार भी उसके नाम के बारे में नहीं सुना है।

हमारी प्रथम पीढ़ी के विश्वासी अपने कार्यों के माध्यम से दुनिया को अपने हृदय परिवर्तन के बारे में बताते हैं, न कि धर्म को। वे प्रतिदिन प्रार्थना भी करते हैं और बाइबल भी पढ़ते हैं। एल.ई.जी के केन्द्रों के माध्यम से उनका विश्वास मजबूत हो रहा है।

हमारी प्रार्थना और प्रयास है कि बपतिस्मा सभाऐं और नये आराधना भवनों का समर्पण कार्यक्षेत्रों में एक नियमित कार्यकर्म बना रहे और इसके लिए आपकी बहुमूल्य भागीदारी को जारी रखने के लिए हम आप से आग्रह करते हैं।

भेड़ें जो इस झुण्ड में नहीं है:

यहेजकेल 34:14,15 और निर्गमन 19:5,6 कहता है, "झुण्ड" शब्द इस्त्राएलियों को संदर्भित करता है जो यहूदी लोग हैं। हम यशायाह 49:6 और लूका 2:30 में पढ़ते हैं कि यह अन्य जाति के लोगों को संदर्भित कर सके। रोमियों 3:29 कहता है, "क्या परमेश्वर केवल यहूदियों का ही है? क्या अन्यजातियों का नहीं है? हाँ, अन्यजातियों का भी है। इसके अतिरिक्त हम गला.3:28 और इफिसियों 2:11–22 में पढ़ते हैं कि हम सब मसीह में एक हैं।

उत्पति 12:3 कहता है कि परमेश्वर ने इब्राहीम से प्रतिज्ञा किया था कि पष्थ्वी पर सभी लोग उसके माध्यम से आर्शीवाद प्राप्त करेंगे। हालाँकि सुसमाचार सबसे पहले यहूदियों के लिए घोषित किया गया था (मत्ती 10:5–7, मत्ती 15:24), रोमियों 1:16 के अनुसार, सुसमाचार पहले यहूदियों के लिए और फिर अन्यजातियों के लिए उद्धार लाता है। यीशु वह प्रकाश है जो अन्यजातियों के बीच चमकता है और इस्त्राएलियों के लिए महिमा है!

यूहन्ना 11:51–52 द्वारा पता चलता है कि यीशु न केवल यहूदियों के लिए बल्कि परमेश्वर की उन संतानों के लिए क्रूस पर मरने वाला था जो बिखर गए थे। इसलिए, हमें उन भेड़ों के लिए प्रार्थना और काम करना चाहिए जो झुण्ड में नहीं हैं।

मैं उन को नहीं त्यागूँगा जो मेरे पास आते हैं

प्रियों, हर कोई परमेश्वर के राज्य का हिस्सा बन सकता है। हम यीशु की अंतिम आज्ञा का पालन करके उन भेड़ों को ला सकते हैं जो बाड़े में नहीं हैं। हम लोगों को परमेश्वर के घर को भरने के लिए आमंत्रित करना जारी रखते हैं (लूका 14:23) क्योंकि अभी भी परमेश्वर के घर में जगह है। जो लोग प्रवेश करने के इच्छुक हैं उन्हें विश्राम शांति और भलाई मिलेगी।

सामरी स्त्री

यूहन्ना अध्याय 4 एक अद्भूत भाग है जो बताता है कि कैसे यीशु ने सामरी स्त्री को चुना, उसको हृदय को बदल दिया और उसे अपने शहर के अन्य लोगों को बदलने के लिए चुनौती दी।

हम पद 39 से 42 तक पढ़ते हैं कि सामरी स्त्री ने देखा कि यीशु न केवल यहूदियों के लिए बल्कि सामरियों के लिए भी उद्धारकर्ता था। और इसलिए उसके द्वारा कई ग्रामीणों ने यीशु पर विश्वास किया। यीशु के द्वारा किए गए "छोटे काम" और सामरी स्त्री की "छोटी गवाही" पर विचार करें जिससे बड़ा परिणाम मिला।

जक्कई –चुंगी लेनेवाला

हम लूका 19:1–10 में चुंगी लेने वाले जक्कई के विषय में पढ़ते हैं। जक्कई ने सुना कि यीशु कर वसूलने वालों और पापियों का मित्र था (मत्ती 11:19) और इसलिए वह यीशु को देखने के लिए गूलर के पेड़ पर चढ़ गया। यीशु का निमंत्रण सुनकर वह तुरंत नीचे आने के लिए उत्साहित हो गया क्योंकि यीशु उसके साथ घर पर रहना चाहता था।

जक्कई तेजी से नीचे उतरा और यीशु के साथ अपने घर चला गया। अब वह कुछ देर रूककर सोचने लगा। उसका हृदय परिवर्तित हो गया। उसने गलत तरीकों से कमाया गया धन लोगों को चार गुणा लौटाने का निर्णय लिया। यह परिवर्तन यीशु के कारण था जो उसके हृदय और घर में आया था। वह यीशु में एक नई रचना बन गया (2कुरि.5:17)

उसका जीवन जो आत्मिक रूप से पाप और दुष्टता में मर चुका था, उसे नया जीवन मिल गया। वह हृदय से यहूदि और इब्राहीम का पुत्र बन गया (गला. 3:7–8)। कितना आन्नद यीशु मसीह ने मेरे सारे पाप क्षमा कर दिए हैं– क्या ये पक्तियाँ आपके जीवन में वास्तविक हैं?

बीज जो आँसुओं के साथ बोये जाते हैं और बीज जो अच्छी भूमि में बोये जाते हैं:

हम भजन 126:6 में पढ़ते हैं, "चाहे बीज बोने वाला बीज लेकर रोता हुआ चला जाये, परन्तु वह जय–जयकार करता हुआ निश्चय लौट आएगा"। प्रयास रोने से शुरू होता है और खुशी के गीतों और ढेर सारी पूलियों के साथ समाप्त होता है। इसी तरह, हम सुसमाचार कार्य में तीस गुणा,साठ गुणा और सौ गुणा फल पाते हैं। हम भरपूर कटनी पाने के लिए प्रार्थना के माध्यम से बहुत प्रयास करते हैं। कृप्या हमारे साथ प्रार्थना करने, सेवकाई के लिए दान देने और स्वेच्छा से इसका सहयोग करने के लिए आगे आएं।

हालाँकि हमें उत्तर भारत में अप्रिय परिस्थितियों और विरोधों का सामना करना पड़ता है, लेकिन हमें अन्य नए रास्ते मिलते जाते हैं। नये आराधना भवनों का निर्माण बढ़ रहा है। नये लोग मसीह में अपना विश्वास स्वीकार कर रहे हैं। हम पठानकोट में एक नया प्रशिक्षण केंन्द्र बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उत्तर भारत की कलीसियाएँ भी सेवकाई में सहयोग कर रही हैं। उत्तर भारत के 3126 गाँवों के लिए प्रार्थना करें जहाँ सेवकाई चलायी जाती है।

विश्ववाणी सेवा पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के 3014 गाँवों में चलायी जाती है। समय–समय पर अशांति होने के बावजूद भी मणिपुर राज्य में सेवकाई जारी हैं। कोकबोरोक भाषा में बाइबल त्रिपुरा राज्य में घर–घर वित्तरित की जाती है। हमें मिजोरम राज्य में बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन कलीसियाओं के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला है। कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें। असम के 4500 गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए प्रतिबद्ध सुसमाचार सेवकों को सेवा में शामिल करने के लिए प्रार्थना जारी रखें। हिमालय में की जा रही सेवकाई और आराधना भवनों निर्माण कार्यों के लिए प्रार्थना करें। हम 2025 तक सिक्किम के 200 गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए प्रयासरत् हैं।

यह सेवकाई पश्चिम भारत में महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के 1422 गाँवों में फैली हुई है। गुजरात में अपना प्रशिक्षण पूरा कर चुक 24 नए सुसमाचार सेवकों के लिए समर्पण सेवा 11.05.2024 को आयोजित की गई थी। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने 120 नये गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के लिए स्वयं को तैयार किया है। कृप्या प्रार्थना करें कि हमें सेवकाई क्षेत्रों में आराधना भवनों के निर्माण के लिए उचित जमीन मिलने पाए।

सेवकाई दक्षिणी प्रांत अर्थात् तेलंगाना, कर्नाटक और आंन्ध्र प्रदेश के 2892 गाँवों में फल–फूल रही है। इन क्षेत्रों

में आराधना भवनों और बैंगलुरू शहर में बन रही कार्यालय का निर्माण प्रगति पर है।

कृप्या कार्य योजनाओं को प्राप्त करने के लिए विश्वासियों के बीच आयोजित होने वाले राज्य शिविरों के लिए प्रार्थना करना न भूलें। उन सुसमाचार प्रचारकों और उनके परिवारों को भी प्रार्थना में स्मरण रखें जो अक्सर अस्वस्थ रहते हैं।

धन्य हैं वे जो सुसमाचार कार्य में सहयोग करते हैं:

- हम उन लोगों को धन्यवाद देते हैं जिनके पास विश्ववाणी बचत बॉक्स हैं और वे सेवा में सहयोग कर रहे हैं।
- हम उन परिवारों और कलीसियाओं को धन्यवाद देते हैं जो हर महीने 4000 रूपये का दान देकर गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने में हमारी सहायता करते हैं।
- हम उन सभी के धन्यवादी हैं जो सुसमाचार सेवकों और सेवकाई को प्रतिदिन अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण रखते हैं।
- हम उन स्वंय सेवकों और अगुवों को धन्यवाद देते हैं जो स्वेच्छा से इस सेवकाई में शामिल हैं।
- हम उन सभी के धन्यवादी हैं जो विश्ववाणी सेवाओं की विशेष आवश्यकताओं और आराधना भवन निर्माण कार्य के लिए पूर्ण हृदय से दान देते हैं।
- हम कलीसिया के पासवानों और समिति के सदस्यों को धन्यवाद देते है कि उन्होंने हमें अपनी कलीसियाओं में परमेश्वर के वचन और विश्ववाणी सेवकाई के दर्शन को बांटने में हमें सक्षम बनाया।
- वे सभी है जो यीशु को सभी लोगों के हृदयों में निवास के लिए प्रार्थना करते हैं और कार्यों में सहयोग करते हैं! परमेश्वर की आशीष आप पर हमेशा बनी रहे!

"इसलिए परमेश्वर ने अज्ञानता के समयों पर ध्यान नहीं दिया, पर अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है"
(प्रेरितों के काम 17:30)।

चैन्नई
13.05.2024

सुसमाचार कार्य में आपका भाई
रेव्ह. डॉ. डब्ल्यू.विल्सन ग्नानाकुमार

यीशु सब का प्रभु है
इसकी घोषणा करें

प्रभु में प्रियों

जून माह के इस अंक के साथ आप तक पहुँच रहे हैं, आशा है कि आप सकुशल होंगे, साथ ही प्रभु की सेवा में यह पत्रिका आत्मिक रीति से सहायक हो रही होगी, साथ ही आपकी निरन्तर प्रार्थनाओं व सेवा में नियमित सहायता के लिए हम सराहना करते है "यह आपके लाभ के लिए बढ़ता जाए (फिलि. 4:17) यह तो सुखदायक सुगन्ध, ग्रहण योग्य बलिदान है, जो परमेश्वर को भाता है। (फिलि.4:18) मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार, जो महिमा सहित मसीह यीशु में है, तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा (फिलि.4:10)।

प्रियों जब भी आप प्रार्थना करवाना चाहते हैं तो प्रार्थनाओं के विषय के लिये हमारे प्रार्थना योद्धाओं से टोल फ्री नम्बर 1800 270 0333 पर जब चाहे संपर्क कर सकते हैं हमारे प्रार्थना योद्धा लगातार इस माध्यम से प्रार्थना में तत्पर रहते हैं तथा इस प्रार्थना सेवा के द्वारा प्रभु अद्भूत कार्य कर रहे हैं।

"यीशु मसीह का सुसमाचार यह है कि यीशु मसीह सब का प्रभु है" इस विषय के साथ यह अंक आप तक पहुँच रहा है, सीधा सीधा कहें तो प्रभु वह है, जिसके पास सर्वाधिकार है, जो सबके ऊपर नियंत्रण रखता है, जो शासन करता है, हम वचन में यह भी पढ़ते हैं कि स्वामी को आदरपूर्ण भाव से "प्रभु" कहा गया। एक कोढ़ी जब यीशु के पास चंगाई पाने के लिए आया तो उसे "हे प्रभु" कहके संबोधन किया, (मत्ती 8:2) चेले भी यीशु को हे प्रभु कहके संबोधन करते हैं, जबकि वे आँधी तुफान से घिरे हुए थे। (मत्ती 8:25)

किन्तु यीशु के पुनरूत्थान के बाद "प्रभु" यह संबोधन आम लोगों के लिये नहीं, किन्तु मात्र यीशु मसीह के लिये किया गया, जब जी उठने के बाद चेलों से यीशु मिले, जबकि उस समय थोमा उनके साथ नहीं था, किन्तु जब आठ दिन के बाद यीशु थोमा से मिले तो उस से कहा अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल, वचन कहता है यह सुन थोमा ने कहा " हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर" (यूहन्ना 20:28), आगे हम पढ़ते हैं वे यीशु को प्रभु कहके पुकारने लगे, तिबरियास की झील में यीशु उनके मध्य फिर भोर को उपस्थित हुए, जबकि चेले रातभर जाल डालते हुए भी खाली पाये गये, किन्तु यीशु के मार्गदर्शन में

इतनी मछलियाँ जाल में आ गई कि वे जाल भी खींच न सके, यह देख चेलों ने कहा "यह तो प्रभु" है, तत्पश्चात चेले जीवित यीशु को पाकर और यह सुनकर कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, उन्हें "प्रभु" कहके संबोधित करने लगे, पतरस को यीशु ने तीन बार पूछा क्या तू मुझ से प्रेम करता है, "उसने तीन दफा कहा **" हाँ प्रभु"** यीशु ने उस से कहा मेरी भेड़ों को चरा, यही उसकी बुलाहट थी, इसी के लिये उसे चुना गया था, प्रशिक्षण दिया गया था, किन्तु जब प्रभु उसके साथ देह में नहीं रहे तो एका करके मछली पकड़ने चले गये, प्रभु यीशु का मिशन तो यह नहीं था, दोबारा पतरस को यीशु ने कलीसिया की चरवाही करने के लिये खड़ा किया,– क्या आज आप भी कहीं प्रभु की सेवा व बुलाहट के प्रति शिथिल तो नहीं हो गये, अब संसार के कार्य ही आपकी प्राथमिकता बन गई है? प्रभु यीशु फिर से आपको स्थापित करना चाहते हैं वह कह रहे हैं सुसमाचार का कार्य कर, मेरी भेड़ों को चरा।

प्रियों आगे फिर देखते हैं कि यीशु कैसे सबके प्रभु हैं, एक तो उन्होंने क्रूस पर शैतान को पराजित किया, जी उठकर मृत्यु को पराजित किया, कब्र के बन्धनों को तोड़ते हुये संसार पर विजयी हुए, पतरस प्रेरित लिखते हैं " अतः अब इस्त्राएल का सारा घराना निश्चित रूप से जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी (प्रेरित 2:36)। प्रियों पेन्तिकुस के दिन जब परमेश्वर पवित्रआत्मा उण्डेला गया सब लोग आश्चर्यचकित थे उसी समय पतरस उनके मध्य में

खड़ा होकर भविष्यद्वक्ताओं की बातों से प्रारम्भ करके वर्तमान तक बोलेने लगा, वहीं से कलीसिया का प्रारम्भ हुआ, यह पवित्रआत्मा जी की सेवा प्रभु के द्वितीय आगमन तक जारी रहेगी।

फिर आगे बढ़ते हुये पाते हैं "पतरस को दर्शन मिला जबकि वह याफा में किसी के घर में ठहरा हुआ था, तथा उसके लिये आकाश खुल गया, शब्द सुना, हे पतरस उठ मार और खा, उसी के पश्चात उसे ढूँढ़ते तीन मनुष्य उनके पास पहुँच गये, तथा पतरस उनके साथ हो लिया, कुरनेलियुस के घर में जहाँ उसके परिवार के लोग बाट जोह रहे थे, वहाँ पहुँच कर पतरस कहने लगा, मुझे निश्चय हो गया कि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता (प्रेरितों 10:34) हर जाति में जो धर्म का कार्य करता वह उसे भाता है, (35) जो वचन उसने इस्त्राएलियों के पास भेजा, जब उसने यीशु मसीह के द्वारा (जो सबका

प्रभु है), शान्ति का सुसमाचार सुनाया (प्रेरितों 10:36) हाँ प्रियों प्रभु ने कहा था जब पवित्र आत्मा तुम पर आयेगा, तो तुम सामर्थ पाओगे तथा यरूशेलेम, यहूदिया, सामारिया, व पृथ्वी की छोर तक वह सबका प्रभु है, जहाँ–2 प्रभु के चेले गये और आज तक यह सेवकाई आत्मा की सामर्थ के द्वारा जारी है तथा प्रभु के द्वितीय आगमन तक जारी रहेगी, क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में सारा जगत है, अर्थात् उनका सुसमाचार सब जातियों, भाषाओं, देशों के लोगो को प्राप्त हो, हमारे प्रभु यीशु जब धरती पर थे तो उनकी दृष्टि में एक–एक भेड़ कीमती थी।

प्रायः कई बार लोगों की यह धारणा है कि मसीहियत एक वर्ग के लोगों तक सीमित है, कभी–2 लोग इसे पश्चात्य देशों का कहकर ग्रहण नहीं करते, किन्तु प्रियों यह स्मरण रहे कि पवित्र प्रभु जो मृत्यून्जय है वह सबके प्रभु हैं पवित्रशास्त्र कहती है कि "परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि अपना एकलौता बेटा दे दिया, ताकि जो कोई उस पर ईमान लाये वे नाश न हो बल्कि अनन्त जीवन पाये" आइये सभी के पास यह जीवनदायक संदेश लेकर जाँये, ताकि वे जो अभी भी प्रभु के झुण्ड से बाहर है, उसके साथ जीवन पायें। जब यीशु को विश्वास से ग्रहण करते हैं तो हम परमेश्वर की सन्तान कहलाते हैं जब हम अपने पापों से मन फिराकर यीशु के पास पश्चाताप के साथ आते हैं तो वह हमारा उद्धार करते हैं अब हमें यहीं तक नहीं ठहरना है बल्कि यीशु को प्रभु ग्रहण करके अब उनके प्रभुत्व में रहकर उनकी इच्छा पूर्ण करनी है, उनके आदेश का पालन करना है। यीशु मेरा प्रभु है इस अनुभव के साथ हमें अपने प्रभु की इच्छा पूर्ण करते रहना है, हमारा जीवित प्रभु सर्वदा आपके साथ रहकर मार्गदर्शन करते रहें। आमीन्।

नई दिल्ली
20.05.2024

प्रभु में आपका भाई
आनन्द सिंह

ऑनलाइन दान करें

Bank : State Bank of India A/C Name: VISHWA VANI
A/C No. : **1015 1750 252** IFS Code : **SBIN0003273**
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.

Please update us with transaction information so that we acknowledge with receipt ✆ 9443127741, 9940332294

UPI ID
vvadmin@sbi
UPI Name:
VISHWAVANI

पवित्र बाइबल कहती है कि यीशु मसीह सब का प्रभु है

प्रियों,
सुसमाचार कार्य का आधार क्या है?
यह यीशु मसीह ही है, मानव जाति का उद्धारकर्ता,

जो हजारों क्रूसों में से एक पर लटका हुआ था, जो उन लोगों को कड़ी सजा देने और फाँसी देने के लिए बनया गया था जिन्होंने पाप किए हैं!
9 फीट ऊँची और 7 फीट चौड़ी क्रूस की छाया,
जो पूरी संसार को पाता है!
क्रूस की छाया में आना ही सुसमाचार है!
सुसमाचार यह है कि क्रूस की छाया के अतिरिक्त कोई और छाता है!

हजारों समाचार हैं
किन्तु "सुसमाचार" केवल एक है!
ऐसी कई पुस्तकें हैं जो जानकारी प्रदान करती हैं,
लेकिन अच्छा समाचार लाने वाली पुस्तक एकमात्र पवित्र बाइबल है!
संसार में कई संदेशवाहक हैं
लेकिन हारून ही परमेश्वर द्वारा दिया गया एकमात्र संदेशवाहक है!
पौलुस और बरनाबास की तरह (प्रेरितों के काम 13:2),
उन्हें पवित्र आत्मा द्वारा अलग किया जाना चाहिए!
उन्हें क्या कहना है?
"किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं,
क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें"(प्रेरितों के काम 4:12)!
संदेशवाहक वे हैं जो प्रेम के साथ दृढ़ता से सत्य को बताते हैं!
रोमियों 3:29 में क्या लिखा है, इस पर विचार करें:

"क्या परमेश्वर केवल यहूदियों ही का है? क्या अन्यजातियों का नहीं?

इसलिए प्रियों, यीशु मसीह ही प्रभु और सभी के लिए परमेश्वर है! विश्वासियों और पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को यह समझना चाहिए कि यह बात संसार के लोगों को नहीं पता है कि केवल यीशु ही प्रभु है।

एक दिन प्रभु यीशु मसीह के सामने सभी घुटने टेकेंगे!

रोमियों 9:24 में क्या लिखा है, इस पर विचार करें:
"हम (आप और मैं) पर, जिन्हें उसने
न केवल यहूदियों में से, वरन् अन्यजातियों में से भी बुलाया है"!
क्यों? हमें (आपको और मुझको) प्रतिबद्ध होना चाहिए,
सभी को सुसमाचार सुनाने के लिए!
यदि वह कहता है "जाओ", तो हमें अवश्य जाना चाहिए!
यदि वह कहता है "दो", तो हमें सुसमाचार के काम के लिए अवश्य देना चाहिए
बचत बॉक्स के द्वारा, एक गाँव को गोद लेने के द्वारा और विशेष भेंट
और एक आराधना भवन का निर्माण करने के द्वारा!
पवित्र आत्मा दो काम करता है:
एक – हमें क्रूस की छाया में लाता है और हमें "विश्वासी" कहलाने का विशेषाधिकार देता है!
दो – सभी के लिए पाप की क्षमा की घोषणा करने की आशीष देता है

इसका अर्थ है
क्रूस की छाया में आा बड़े ही सौभाग्य की बात है!
दूसरों को क्रूस की छाया में लाना भी अत्यधिक सौभाग्य और आन्नद की बात है!
जब हम परमेश्वर की आशीषों में बढ़ते हैं,
तो हमारे हृदय मजबूत होते हैं!
ध्यान दें कि 1 तीमुथियुस 2:4 क्या कहता है:
"जो चाहता है कि सब मनुष्यों का उद्धार हो और वे सत्य को भली–भाँति लें"।

यह पिता परमेश्वर है!
उसने हमें यूहन्ना 3:16 का उपहार दिया!
फिर से विचार करें कि प्रेरितों के काम 4:12 क्या कहता है:
"यीशु के बिना, किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं"
उद्धार का सही अर्थ है "चंगा होना"!
पहला – साँप के काटने के जहर से चंगा होना!
दूसरा – शरीर की बीमारी से चंगा होना!
इन दोनों चंगाईयों को मिलाकर "उद्धार" होता है!

अब थोड़ा विचार करें –
क्या आपको दोनों चंगाईयों की आवश्यकता है?
क्या आपके परिवार में किसी को
इस चंगाई की आवश्यकता है?
आप कितने लोगों को जानते हैं जिन्हें इस चंगाई की आवश्यकता है?
कितने हजार लोग हैं जो बाएँ और दाएँ हाथ के बीच का अंतर नहीं जानते हैं जिन्हें इस चंगाई की जरूरत है?

जब आपका हृदय यह समझ जाता है कि प्रभु यीशु मसीह मानवजाति के लिए कितना जरूरी है,
तब आप क्रूस की छाया में आ जाते हैं, अब रोमियों 1:14 और 15 पढ़ें:

पद 14: मैं यूनानियों और अन्यभाषियों का और बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों का भी कर्जदार हूँ।
संक्षेप में, मैं उन सभी का ऋणी हूँ जो यीशु मसीह को नहीं जानते
इसीलिए, मैं उनकी सहायता करने में सक्षम हूँ!
किस प्रकार की सहायता? प्रार्थना, धन, समय
सेवा प्रदान करने, प्रार्थना के लिए घरों को खोलने स्थान देने के रूप में,
और सुसमाचार सभाओं में सहायता के रूप में!
जब पवित्र आत्मा हमें पूर्णकालिक सेवकाई के लिए बुलाता है तब हमारे पास जो कुछ भी है उसे देकर सहायता करना है!

पद 15: "इसलिए मेरे मन की उमंग यह है कि मैं सुसमाचार

सुनाऊँ"।
इसलिए सुसमाचार का प्रचार करने वालों का सहयोग करने की मेरी उत्सुकता,
इसलिए सुसमाचार की तुरही बजाने के लिए कुछ भी करने की मेरी उत्सुकता,
मेरी उत्सुकता/उमंग का मूल अर्थ है
मेरा मन तैयार है कि मैं सुसमाचार के लिए कुछ भी कर सकता हूँ।

जी हाँ,
उनके लिए जिनके हृदय खुले हुए हैं
उनके लिए स्वर्ग के दरवाजे एक दिन खुल जाएँगे! मत्ती 25:34 "तब
राजा अपनी दाहिनी ओर वालों से कहेगा,
हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ,
उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जो जगत के आदि से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है"।
जिनके हृदय खुले नहीं हैं,
जो आज्ञा मानने में असफल रहे हैं,
उनके लिए स्वर्ग का द्वार एक दिन बंद हो जायेगा!

मत्ती 25:41 "तब
वह बायीं ओर वालों से कहेगा
"हे शापित लोगों, मेरे साम्हने से उस
अनंत आग में चले जाओ,
जो शैतानों और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है"

इसलिए प्रियों,
आप इसे समझें कि पवित्र आत्मा ने,
आज तुम्हें ये पंक्तियाँ पढ़ने के लिए आपको बुलाया है,
और सुसमाचार सेवकाई में आप अपनी भूमिका को जानें! इसे जानने के बाद भय और काँपतें हुए
इसे निभाना है! इस संसार में आशीषों के द्वार आपके लिए खुल जाएँगे!
एक दिन स्वर्ग का द्वार भी आपके लिए खुल जाएगा! आमीन! ■

प्रार्थना

सर्वशक्तिमान परमेश्वर,
सभी चीजों और सभी लोगों के सृष्टिकर्ता और रक्षा करने वाले
कृप्या हमें क्षमा क्योंकि
भले ही हम आपको नहीं देख सकते
किन्तु हमारी कल्पनाओं ने आपको कई आकार दे दिए हैं।
एक ही मिनट में, हमने सोना पिघला कर
एक सोने का बछड़ा बनाया और हम गिर गए।
प्रभु कृप्या हमें आप सह लें क्योंकि हम आज भी गिरते हैं।
प्रभु, आप जो आश्चर्यकर्म करने वाले हैं,
अद्भूत प्रभु और जिन तक हम हमारी बुद्धि के द्वारा से नहीं पहुँचा सकते
आप जो एक जीवित बलिदान हैं, कृप्या हमें अपना दर्शन दें!
हम भूखे और प्यासे हैं! "हम यीशु को देखना चाहते हैं
चिल्लाने वाले लोगों की आवाजें हमारे कानों को भेद रही हैं!
आइए, हम एकता की भावना के साथ
दूसरों को स्वयं से अधिक योग्य समझें,
सुसमाचार की तुरही बजाएँ,
और सभी को क्षमा करें!
जिन्होंने स्वंय को बलिदान के रूप में दिया है, प्रभु यीशु मसीह के नाम पर, आमीन्।
कृप्या हमारी प्रार्थना स्वीकार करें। परमेश्वर की स्तुति हो!

बहन जैकलिन खलखो

बहन जैकलिन खलखो 53 वर्ष की अविवाहित थीं, और विश्ववाणी सेवा के लिए अत्यधिक समर्पित थी। वे सेवकाई में सहयोग करती थी। वह विश्ववाणी दर्शन सभाओं, गाँवों में सुसमाचार सभाओं एवं आराधना भवनों के समर्पण कार्यक्रमों इत्यादि में भाग लेने से कभी पीछे नहीं हटती थी और इसके लिए दूसरों को भी प्रोत्साहित करती थीं। अपनी जी.ई.ली.सी. कलीसिया में भी वह संगीत दल एवं महिलाओं का नेतृत्व करने में सबसे आगे रहती थी।

उत्तर भारत की अक्टूबर 2023 में हुई हैदराबाद की सभा उनकी आखिरी सभा रही। उसके पश्चात् वह अस्वस्थ रहने लगी। उनके फेफड़ों में संक्रमण की शिकायत थी और अचानक 15 मई 2024 को वह प्रभु के अनंत विश्राम में प्रवेश कर गई।

उनके सुसमाचार सेवा के प्रति बोझ और सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता है। कृप्या उनके परिवार के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु उन्हें अपनी शांति प्रदान करें।

सुसमाचार के ऋणी

सर्वशक्तिमान और सामर्थी परमेश्वर ने मुझे ओडिशा के दक्षिणी जिलों विशेषकर उन गाँवों का भ्रमण करने में सक्षम बनाया जहाँ सौरा जनजाति के लोग रहते हैं।

गजपति जिले के दुर्गम गाँव सुसमाचार के माध्यम से बदल गए है। प्रभु सामान्य सुसमाचार सेवकों को आग के रूप में उपयोग कर रहा है और यह प्रमाणित कर रहा है कि "न तो बल से न शक्ति से पर मेरी आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओं के यहोवा का यही वचन है"। (जर्क.4:6)

हम अपनी आँखों से यह देखने में सक्षम थे कि उन सभी गाँवों में जहाँ सुसमाचार प्रचारकों ने दौरा/भ्रमण किया, वहाँ के विश्वासी प्रेम, एकता और मेल–मिलाप की भावना से भरे हुए हैं। वे आतिथ्य सत्कार के लिए सबसे आगे खड़े हैं और पूरे हृदय से प्रभु की स्तुति कर रहे हैं। उनमें परमेश्वर का वचन सुनने की भूख और प्यास है। यह सत्य है कि सुसमाचार ने लोगों को सभी स्थानों परा प्रभु की आराधना करने के लिए प्रेरित किया है।

इन दुर्गम क्षेत्रों में लोगों के साथ सुसमाचार प्रचार करना आसान नहीं है। इसलिए, हमें उन अवसरों का सक्रिय रूप से उपयोग करना चाहिए जो परमेश्वर ने हमें दिए हैं। हाँ, यही वह बोझ था जो पवित्र आत्मा ने मेरे हृदय में डाला था।

आइए, हम उन सुसमाचार प्रचारकों के लिए प्रार्थना करना जारी रखें जो सड़क और परिवहन सुविधाओं से वंचित गाँवों में अज्ञानता, अंधकार, गरीबी, पारंपरिक प्रथागत आदतों और विरोध की बाधाओं का साम्हना करते हुए विश्वास के साथ आगे बढ़ा रहें हैं। प्रभु, जिसके पास स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार है, अपने दूसरे आगमन तक उनका नेतृत्व करें और शिष्यों की संख्या में वृद्धि होती चली जाए जिससे आत्माओं की संख्या में बढ़ोत्तरी हो जिसके परिणामस्वरूप कलीसिया की संख्या में भी वृद्धि हो। *– डॉ. फेलिसिट पुनीथा, नागरकोइल*

अन्ताकिया में विश्वासियों की - आवश्यकता

जब भी हम फसल के स्वामी से विनती करते हैं, तो वह अपने सेवकों को सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भेजता है।

गुजरात में भील, खुखना, राठवा, गामित और वसावा नामक 5 प्रमुख जन–जातियों में 24 नए सेवक भेजे गए हैं। हमें उनका सहयोग करने के लिए अन्ताकिया जैसे विश्वासियों की आवश्यकता है। हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आप अपनी प्रार्थनाओं और दान द्वारा उनका सहयोग करें क्योंकि वे गुजरात के 8 जिलों के गाँवों तक सुसमाचार के साथ पहुँचने के लिए निकले हैं।

धन्य हैं वे जो प्रकाश फैलाते हैं

स्वर्ग आन्नदित होता है जब उन लोगों की आँखें जो बाइबल के आश्चर्यकर्मो को देखने के लिए खुलती हैं उनका ध्यान सुसमाचार के क्षेत्रों की ओर जाता है और वे अपने प्रेमपूर्ण हाथ फैलाते हैं और आवश्यकता में पड़ें हुओं के साथ अपने धन को बांटते हैं।

नवीनतम प्रकाशित कोकबोरोक बाइबल त्रिपुरा के सुसमाचार क्षेत्रों में और कलीसियाओं एवं आराधना समूहों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह सुनकर रेव्ह. आर.ए.जे सेल्विन दुरई सेंट पैट्रिक कलीसिया और कलीसिया के अन्य दस सदस्यों ने 16 अप्रैल से इन सुसमाचार क्षेत्रों का भ्रमण किया और विश्वासियों को कोकबोरोक बाइबल वितरित की। उनके अच्छे भले कार्यों की सुगन्ध पहाड़ों तक फैले। हम पासवान और उन सभी का अभिनंदन करते हैं और धन्यवाद देते हैं जिन्होंने विश्वासियों के मध्य प्रकाश फैलाने में हमारी मदद की।

— ग्नानासिंह, समन्वयक

जीवनदायक सुसमाचार

मेरा परिवार बिखर गया क्योंकि मुझे नशे और शराब की लत गई थी। जो धन मैं सुबह अपने हाथों से कमाता था, वह रात तक मेरी बुरी लत के कारण समाप्त हो जाता था। मैंने कई बार अपनी पत्नी को रोते हुए और अपने चिंतित माता–पिता को देखा, फिर भी मेरा हृदय कठोर हो गया था। जब मेरा पूरा परिवार उदास था, एक विश्वासी हमारे लिए आशा के कुछ शब्द लेकर आए।

शुभ समाचार, "यीशु मसीह एकमात्र व्यक्ति हैं जो मानव जाति को एक अच्छा इंसान बनाने के लिए दुनिया में आया और मनुष्यों के साथ रहा। यदि हम उसे अपने हृदय में स्वीकार करते हैं तो वह आज भी हमारे साथ रहता है, यह बातें हमारे साथ बांटी गईं और इससे हमें आशा मिली। गुडवाल क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यकर्ता भाई प्रकाश अक्सर हमसे मिलने आते थे और हमारे लिए प्रार्थना करते थे। उन्होंने यीशु को मेरे जीवन से परिचित कराया। आज, केवल यीशु मसीह के माध्यम से ही मेरा हृदय शराब से दूर रहता है और मेरी मेहनत की कमाई घर तक पहुँचती है। यह केवल यीशु ही हैं जिन्होंने मुझे इंसान बनाया। हाल्लेलूय्याह!

— पंकज, हिमाचल प्रदेश

कोया कार्यक्षेत्र में गिरा - गेहूँ का दाना

सेवक अक्विल्ला शास्त्री (50 वर्ष) पिछले 16 वर्षों से आंध्र प्रदेश में गोदावरी नदी के पश्चिमी तट पर फैले कोया जनजाति के मध्य सुसमाचार प्रचार कर रहे थे। उन्होंने पांडिरी ममिदी गुडेम से लेकर गदीदाबोरू तक रहने वाले लोगों के साथ मसीह के प्रेम को बांटने के लिए गाँवों में कठिन परिश्रम किया, जिससे वहाँ के लोगों को मसीह में छुटकारा प्राप्त करने योग्य बनाया। उनके प्रयासों से 16 गाँवों में प्रकाश स्तम्भ के रूप में आराधना भवन स्थापित किये गये।

भाई अक्विल्ला द्वारा संचालित बाइबल अध्ययन समूह, आराधना समूह और जागृति शिविरों ने कोया गाँवों को महान प्रकाश की ओर लाया है।

6 मई 2024 को भाई अक्विल्ला ने एलुरू जिले के चिन्ना जीदिपुड़ी में अपनी सेवा पूर्ण की। उन्होंने सुसमाचार सेवकों की सभा में भाग लिया और सभा में भाग लेने वाले सभी सेवकों को आन्नदपूर्वक अलविदा कहा। घर पहुँचने के बाद उन्होंने सीने में दर्द होने की बात कही। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जो गदीदाबोरू कार्य क्षेत्र से 15 कि.मी. दूर था। किन्तु वह अस्पताल जाने के दौरान ही प्रभु के पास चले गये । हम कोया जनजाति के लोगों के बीच भाई अक्विल्ला द्वारा की गई सेवकाई के लिए प्रभु की स्तुति करते हैं। हमारा विश्वास है कि आने वाले समय में कोया क्षेत्र से सैकड़ों कोया सुसमाचार सेवक सामने आएंगे। भाई अक्विल्ला की पत्नी प्रिस्किला और उनके छोटे बच्चों प्रेम कुमार और परिमाला पुष्पा को अपनी प्रार्थनाओं में स्मरण रखें।

कार्यक्षेत्रों का भ्रमण किया, प्रभु में आनन्दित हुए!

प्रभु ने हमें बढ़ती हुई विश्वासियों की संगति को देखने का सौभाग्य दिया, जो पवित्र आत्मा के कार्यों के माध्यम से जहाँ भी गौरवशाली सुसमाचार पहुँचा है, वहाँ समाज में व्यापक परिवर्तन को लाती है। तिरूनेलवेली से छह लोगों के एक छोटे समूह के रूप में हमने आराधना भवन समर्पण के लिए मान्यम जिले के वाई श्रीरामपुर क्षेत्र का भ्रमण किया। आराधना भवन को श्री शामुएल की प्रार्थनाओं और योगदान के माध्यम से खड़ा किया गया था और 24.03.2024 को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया। "वह पृथ्वी पर अपनी आज्ञा का प्रचार करता हैः उसका वचन अति वेग से दौड़ता है" के अनुसार हम अपनी आँखों से हजारों आत्माओं को देखने में सक्षम थे (भजन संहिता 147:15)। कृप्या वाई. श्रीरामपुर में आराधना भवन के लिए प्रार्थना करें कि वह यीशु मसीह के दूसरे आगमन तक निरंतर बढ़ता रहे और प्रथम पीढ़ी के विश्वासियों के लिए स्वर्ग को आन्नदित करने का गवाह बन जाये।

– क्रिस्टोफर जैमसन

नेटवर्क चेयरमैन
की ओर से...

मसीह में अतिप्रिय भाईयों और बहनों,

जैस–जैसे हम प्रभु यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ते हैं, वैसे ही अनुग्रह और शांति हमारे जीवन में बढ़ती जाए।

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका परमेश्वर की अनुग्रह से आप तक पहुँचती है और 12 भाषाओं में प्रकाशित होती है। इस महीने के लिए भी इसे प्रसारित करने का हमें मसीह में सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह परमेश्वर ही हैं जो आपकी प्रार्थनाओं, सहयोग और हिस्सेदारी के माध्यम से सेवकाई को नई ऊँचाईयों पर जाती है। सारी महिमा और आदर उसी को मिले।

इसके अतिरिक्त परमेश्वर अपेक्षा करता है कि सेवा सहयोगीगण सुसमाचार कार्य के केन्द्र में हों। पुनरूत्थित प्रभु स्वर्ग जाने से पहले समय–समय पर शिष्यों के साम्हने प्रकट हुआ और उन्हें एक महत्वपूर्ण संदेश दिया और उनसे सबसे प्रमुख कार्य को पूरा करने के लिए कहा।

महत्वपूर्ण संदेश –"सुसमाचार–उद्धार का संदेश"। संदेश यह है कि मसीह हमारे पापों के लिए मर गया, गाड़ा गया और परमेश्वर के वचन अनुसार तीसरे दिन फिर से मृतकों में से जी उठा। हमारा प्रभु यीशु मसीह आज भी जीवित है और वह राजाओं का राजा और प्रभुओं के प्रभु के रूप में महिमान्वित रूप से लौटेगा।

मुख्य कार्य –"तब यीशु ने उनके पास आकर कहा,"स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता,पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें दी है मानना सिखाओ। और देखो, मैं जगत के अंत तक सदा तुम्हारे साथ हूँ। (मत्ती 28:18–20)

हमें प्रभु द्वारा उसके दूसरे आगमन से पहले उसके बारे में प्रचार करने का आदेश दिया जा रहा है। इसलिए आइए, हम जहाँ भी हों, यीशु के बारे में प्रचार करें और दूर–दराज के स्थानों में उसके बारे में बताने का अवसर प्राप्त करें। यह एक महान कार्य है जो हमारे ऊपर डाला गया है। यदि आप यह पत्रिका प्राप्त कर रहे हैं, तो इससे पता चलता है कि आप या तो

बचत बॉक्स के माध्यम से सेवकाई का सहयोग करते हैं या 4000 रूपये प्रतिमाह दान देने के द्वारा एक सेवा गाँव को, एक परिवार या आराधना भवन के रूप में गोद लेते हैं। प्रभु आपको भरपूर आशीष दे।

मैं आपके सामने दो अनुरोध रखता क्योंकि आप सुसमाचार सेवकाई की धुरी हैं। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है बचत बॉक्सों का वितरण। कृप्या अपने मित्रों या उनके परिवार के मध्य बचत बॉक्स बांटने के लिए आगे आयें ताकि वे 6 महीने में एक बार 600 रूपये दान दे सकें। दूसरा आप एक ऐसे परिवार का परिचय करा सकते हैं जो किसी गाँव में सेवा को सहयोग देने के लिए हर महीने 4000 रूपये सहयोग कर सकता है।

यह प्रभु की इच्छा है कि सभी विश्वासियों को भी सुसमाचार सेवकों के साथ सुसमाचार कार्य में शामिल होना चाहिए और प्रभु से आशीषें प्राप्त करनी चाहिए।

मैंने समर्पण पत्रिका (मई अंक) में पठानकोट (पंजाब) में उत्तर भारत अर्थात

जम्मू–कश्मीर,पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए सेवकाई प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण के बारे में बांटा था। आपने "प्रेमपूर्ण विचार" में यह पढ़ा भी होगा कि यह प्रशिक्षण केन्द्र इन 4 राज्यों के युवाओं को सेवकाई के लिए प्रशिक्षित करने, प्रार्थना सभा आयोजित करने में सहायक होगा और दक्षिण भारतीय सेवा सहयोगीगणों को ठहराव/समायोजित करने में भी मदद मिलेगी जो उत्तर भारत के सुसमाचार क्षेत्रों के भ्रमण के लिए आयेंगे। परमेश्वर के अनुग्रह से, उत्तर भारत के अगुवों ने उस क्षेत्र का दौरा किया है और भूमि को लेने का अंतिम निर्णय लिया है, जिसे जुलाई के अंत से पहले पंजीकृत किया जाएगा। निर्माण कार्य शुरू हो यही मेरी इच्छा है। पहले चरण के लिए यानी जमीन, बोरवेल/बोरिंग, बिजली और परिसर की दीवार के लिए उत्तर भारत के विश्वासीगण 50 लाख रूपये का दान सहयोग दे रहे हैं। हम 5000 वर्ग फूट के प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण के लिए तमिलनाडु के विश्वासियों से 1 करोड़ रूपये का दान एकत्र करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि 5000 विश्वासी एक वर्ग फूट के निर्माण के लिए 2000 रूपये का दान देकर आगे

आ सकें तो हम लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं। हम इस विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं आप उत्तर भारत की सेवकाई के लिए विश्वासयोग्यता के साथ प्रार्थना करते हुए निश्चित रूप से काम में सहयोग करेंगे। हम इस वित्तिय वर्ष के अंत तक इसे समर्पित करने की योजना बना रहे हैं। प्रार्थना और सहयोग कृप्या जारी रखें। हम आगामी अंकों में कार्य की प्रगति को अवश्य आपके साथ बांटना चाहेंगे।

हम उत्तर भारत के सभी विश्वासियों और तमिलनाडु और केरल के विश्वासियों के धन्यवादी हैं जो उत्तर भारत में सेवकाई में सहायता करते हैं। उत्तर भारत सेवाओं के जनरल डायरेक्टर रेव्ह. डॉ. आन्नद सिंह और निर्देशक रेव्ह. डॉ. एलेक्स मॉरिस, उत्तर–पश्चिम सेवाओं के प्रभारी रेव्ह. अजय वर्मा, जम्मू कश्मीर राज्य समन्वयक रेव्ह.स्टोनियस, हिमाचल प्रदेश राज्य समन्वयक बलविंदर सिंह के लिए प्रार्थना जारी रखें। पंजाब राज्य के राज्य समन्वयक रेव्ह. राकेश कुमार और उत्तराखंड राज्य रेव्ह. राजेश पॉल इन सभी को अपनी प्रार्थनाओं में उठाये रखें। उत्तर भारत के अगुवों पर उत्तर भारत के 46000 गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने की बड़ी जिम्मेदारी है। हम उन सुसमाचार प्रचारकों के लिए प्रभु की स्तुति करते हैं जिन्हें परमेश्वर गाँवों में बढ़ा रहा है।

"परन्तु परमेश्वर का धन्याद हो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवंत करता है। इसलिए हे मेरे प्रिय भाईयों और बहनों, दृढ़ और अटल रहो। और प्रभु के काम में सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है"। (1कुरि.15:57,58)

हैदराबाद
12.05.2024

प्रभु में आपका भाई
पी.सेल्वाराज, अध्यक्ष, विश्ववाणी नेटवर्क

समर्पण पत्रिका की सदस्यता के लिये ऑनलाइन बैंक विवरण

A/C Name: VISHWA VANI SAMARPAN
Bank: STATE BANK OF INDIA
A/C No.: **1040 845 3024**
IFSC Code: **SBIN0003870**
Branch: ANNANAGAR WEST, CHENNAI

Please update us with transaction information so that we acknowledge with receipt
✆ 044-26869200

वह कंगालों को धूल पर से उठाता है

मानसिंग मुण्डा झारखण्ड के लिबुडीह गाँव के रहने वाले हैं। वह प्रकृति की पूजा करते थे। जब वह छोटे थे तब उन्होंने अपने पिता को खो दिया था और परिवार गरीबी में था। मानसिंग मुण्डा की माँ को उनके साथ और 4 बच्चों की देखभाल करनी पड़ती है। उनके परिवार में सबसे छोटी बेटी गूंगी थी। पिता के जाने के बाद मानसिंग मुण्डा की माँ को बच्चों को भोजन खिलाना और स्कूल भेजना भी मुश्किल हो गया। वर्ष 2017 में उन्होंने विश्ववाणी सुसमाचार प्रचारक के माध्यम से नवाटोली स्थित विश्ववाणी चाइल्ड केयर सेंटर के बारे में सुना और मानसिंग मुण्डा को चाइल्ड केयर सेंटर में भेज दिया। मानसिंग ने उस सृष्टिकर्ता के विषय में सुना जिसने समस्त प्रकृति का निर्माण किया और वह उस पर विश्वास करना शुरू कर दिया। बाल देखभाल केन्द्र में बाइबल कहानियों को सुनने के द्वारा अनुशासन, प्रार्थना का समय, आराधना का समय, खेलने का समय के द्वारा और सुसमाचार प्रचारकों की सहायता के माध्यम से वह स्वस्थ पौष्टिक भोजन के साथ–साथ उत्सुकता से अध्ययन करने में सक्षम होने के साथ–साथ शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से विकसित होने में सक्षम होने लगा। मानसिंग मुण्डा ने यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया और 24.04.2024 को सभी के समक्ष अपने विश्वास को स्वीकार किया। 10वीं की परीक्षा में उन्हें 81 प्रतिशत अंक मिले और वह स्कूल में प्रथम स्थान पर रहे। वह लगातार अपने परिवार के लिए प्रार्थना करता है ताकि वे भी प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार करें और वे उद्धार को प्राप्त करें।

इस युवा लड़के का परिवर्तन पूरे परिवार के लिए परिवर्तन का मार्ग तैयार हो रहा है। हम इन बाल देखभाल केन्द्रों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। यीशु के ज्ञान से अनभिज्ञ इन गरीब छोटे बच्चों के लिए जिन्हें यहाँ यीशु को और अधिक जानने में सक्षम बना रहे हैं। हम उन सभी परिवारों को भी आभार व्यक्त करते हैं जो बच्चों को प्रतिमाह आर्थिक सहायता कर रहे हैं। आपके भले कार्यों से समाज में परिवर्तन आएगा। परमेश्वर इसे आपके खाते में रखेगा और आपको बहुत गुणा आशीषित करेंगे। *– ग्लैडलीन गोल्डा अजित*

प्रभुता उसके कंधों पर होगी

– रेव्ह. डॉ. इम्मानूएल ग्नानाराज, निर्देशक – प्रेयर नेटवर्क

अधिकार ही प्रभुता है। "शासन" शब्द उत्पति 1:16 में प्रकट होता है जहाँ प्रकृति शासित होती है। परमेश्वर ने दिन और रात पर शासन करने के लिए सूरज और चन्द्रमा को बनाया। उसी प्रकार परमेश्वर ने संसार में अनेक जीव–जन्तुओं और पेड़–पौधों की रचना की। बाद में उसने मनुष्य को अपनी ही स्वरूप में बनाया और उसे संसार के सभी प्राणियों पर शासन करने की आज्ञा दी (उत्पति 1:26)। हम अध्याय 3 और 4 में पढ़ते हैं कि मनुष्य अपनी ही अभिलाषाओं के कारण गिरता है और एक मनुष्य दूसरे पर शासन करता है। हम इतिहास के माध्यम से हम बाद के दिनों में भी देखते हैं कि एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र पर शासन करता है और यह पृथ्वी का नियम बन जाता है।

परमेश्वर सभी अधिकारों से ऊपर है। वह हर चीज पर शासन करता है। ईश्वरों का ईश्वर और प्रभुओं का प्रभु संसार पर शासन करने की सामर्थ देता है! "राजाओं को अस्त और उदय भी करता है" (दानि.2:21)। उसकी सामर्थ्य हम में जो विश्वास करते हैं कितनी महान है। उसकी सामर्थ्य के प्रभाव के उस कार्य के अनुसार जो उसने मसीह में किया कि उसको मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दाहिनी ओर सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार और सामर्थ्य और प्रभुता के और हर–एक नाम के ऊपर जो न केवल इस लोक में आने वाले लोक में भी लिया जायेगा बैठाया और सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, यह उसकी देह है और उसी की परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है (इफि.1:19–23)। प्रभुओं का प्रभु और ईश्वरों का परमेश्वर धार्मिकता और न्याय की स्थापना करने के लिए एक मनुष्य के रूप में दुनिया में आया! इस दुनिया में ऐसे लोग भी हैं जो अपनी ताकत और हथियारों से दूसरों पर शासन करना पंसद करते हैं। यही प्रभुओं का प्रभु हमारे बीच रहा, यही सुसमाचार है। इसकी भविष्यवाणी पुराने नियम में भविष्यवक्ताओं द्वारा की गई थी।

बालक कौन है– आइए इतिहास में खोंजे

यशायाह भविष्यवक्ता ने यीशु के जन्म से 700 वर्ष पहले ही यह कहते हुए भविष्यवाणी कर दी थी, "क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है, और प्रभुता उसके कंधों पर होगी। और उसका नाम अद्भूत युक्ति करने वाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्त काल का पिता और शांति का

राजकुमार रखा जायेगा" (यशा.9:6) ये आन्नदपूर्ण शब्द हमें क्यों दिए गए हैं, "हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है"। यह वह समय था जब यहूदि राजा आहाज ने इस्त्राएल के दक्षिणी देश यहूदा पर शासन किया था। यह उस समय के पहले हुआ जब यहूदियों को गुलाम बना लिया गया था। इसके बारे में अधिक जानने के लिए हम 2 राजा अध्याय 16 को देखेंगे।

रमल्याह के पुत्र पेकह के सत्रहवें वर्ष में यहूदा के राजा योताम का पुत्र आहाज राज्य करने लगा। जब आहाज राज्य करने लगा तब वह बीस वर्ष का था। वह दाऊद जैसा अच्छा राजा नहीं था। उसने वह काम करने के लिए अपने आप को बेच दिया जो परमेश्वर की दृष्टि में बुरा था। इसके बारे में हम 2 राजा 16:2,3 में पढ़ते हैं। परिणामस्वरूप, अराम के राजा रसीन और इस्त्राएल के राजा रमल्याह के पुत्र पेकह ने यरूशलेम से लड़ने के लिए चढ़ाई की और आहाज को घेर लिया, परन्तु युद्ध करके उनसे कुछ बन न पड़ा। पद 7 से 19 में आहाज द्वारा की गई सबसे बुरी गलतियाँ का वर्णन मिलता है। 2इतिहास 28:19 कहता है, " यहोवा ने इस्त्राएल के राजा आहाज के कारण यहूदा को दबा दिया, क्योंकि वह निरंकुश होकर चला, और यहोवा से बड़ा विश्वासघात किया था"। यह वह समय था जब लोग सोच रहे थे कि क्या यहूदा को मुक्ति मिलेगी, आन्नद का समाचार दिया गया "क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न हुआ है"। यशायाह अध्याय 9 के पहले पाँच पद एक महान प्रकाश और एक महान आशा के विषय में बात करते हैं। वह यह कहते हुए आरम्भ होता है, "जो लोग अंधियारे में चल रहे थे, उन्होंने बड़ा उजियाला देखा" इससे क्या पता चलता है? वह बालक कौन है जो हमारे लिये जन्मा है? बालक का जन्म कब हुआ? परमेश्वर के भय मानने वाले हिजकिय्याह के द्वारा राजा आहाज सफल हुआ। हम 2 राजा 18 और 2इतिहास 29 में उनके द्वारा लाये गये सुधारों के बारे में पढ़ते हैं। यद्यपि वह एक अच्छा राजा था, परन्तु वह पुत्र नहीं था।

हिजकिय्याह के अच्छे शासन काल के बाद, राजा मनश्शे ने 52 वर्षों तक दुष्टता के साथ शासन किया। वह राजा योशिय्याह द्वारा सफल हुआ और योशिय्याह के विषय में 2 राजा 23:25 में कहा गया है, "उसके तुल्य न तो उससे पहले कोई राजा ऐसा हुआ और न उसके बाद ऐसा कोई राजा उठा, जो मूसा की पूरी व्यवस्था के अनुसार अपने पूर्ण मन और पूर्ण प्राण और पूर्ण सामर्थ से यहोवा की ओर फिरा हो"। क्या वह वही बालक है जो आने वाला था? नही! अंततः यहूदा की भूमि बेबीलोनियों की गुलाम बन गयी।

तो फिर वह बालक कौन है जिसके कंधों पर प्रभुता है? जब हम इतिहास की

खोज करते हैं तो हम यह निष्कर्ष तक पहुँचते हैं कि यह यीशु ही था, जिसका जन्म बेतलेहम में इम्मानुएल के रूप में हुआ था।

मनुष्य का पुत्र कौन है – उसकी प्रभुता–शासन क्या है?

दानिय्येल अध्याय 2 नबूकदनेस्सर के स्वप्न के बारे में बात करता है जहाँ यह कहा गया है कि "एक पत्थर ने, बिना किसी के खोदे, आप ही आप उखड़कर उस मूर्ति के पाँवों पर लगकर जो लोहे और मिट्टी के थे, उनको चूर–चूर कर डाला"। नबूकदनेस्सर द्वारा देखे गए दर्शन और पद 36 से 45 तक उस दर्शन की व्याख्या के बारे में पढ़ते हैं। एक के बाद एक कई राज्य स्थापित हुए। कसदियों के बाद, रोम और यूनानियों ने इस भूमि पर शासन किया। कोई भी सरकार/शासन उस राज्य के मानकों को पूरा करने में सक्षम न थे जो मानव हाथों द्वारा नहीं बनाया गया था। नबूकदनेस्सर ने स्वप्न में जो मूर्ति देखी वह मिट्टी और लोहे से बनी थी। हम इसी अवधि में जी रहे हैं। बाइबल के माध्यम से हम देखते हैं कि परमेश्वर यीशु के माध्यम से एक ऐसा राज्य स्थापित करने जा रहा है जिसे नष्ट नहीं किया जा सकता (दानि.2:44)। कौन शासन करता है या उस राज्य का स्वामी कौन है? वह यीशु मसीह है और वही प्रभु है।

यीशु तब भी प्रभु था और अब भी है:

मत्ती 16:16–18 में पतरस ने यीशु से कहा कि यीशु, तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह अर्थात चट्टान है। फिर यीशु ने पतरस से कहा, तू पतरस है, और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुजियाँ दूंगा। कलीसिया जो मसीह की देह है वह आध्यात्मिक साम्राज्य है जिसे परमेश्वर स्थापित करने जा रहा है। शाऊल एक युवा यहूदी था जो यीशु के नाम को बदनाम करना चाहता था। प्रेरितों के काम अध्याय 9 से पता चलता है कि दमिश्क के रास्ते में यीशु ने उसे छुआ। जब शाऊल ने पूछा, "हे प्रभु, तू कौन है? यीशु ने उत्तर दिया, मैं यीशु हूँ, जिसे तू सताता है। हम प्रेरितों के काम 9:6 में पढ़ते हैं, उसने तुरन्त यीशु के शासन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। वह तुरन्त आराधनालयों में प्रचार करने लगा कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है (प्रेरित 9:20)। उन दिनों प्रेरितों द्वारा किये गये अद्भूत कार्यों ने हमें क्या बताया? यीशु ही प्रभु है (यूहन्ना 20:31)। हम इस सत्य को देख सकते हैं कि यीशु ने स्वयं यूहन्ना 8:23–25 में प्रकट किया है कि "मैं वही हूँ"। यूहन्ना 1:1–4 और 14 इसके बारे में और अधिक वर्णन करते हैं। यीशु ने देह धारण किया और हमारे बीच निवास किया। वह परमेश्वर है। प्रत्येक जीभ यह स्वीकार करेगी कि यीशु ही प्रभु है। उसका राज्य अभी भी विस्तारित हो रहा

है और सुसमाचार की सामर्थी प्रकृति को प्रकट करते हुए महिमान्वित किया जा रहा है।

जब मैं भोपाल, मध्य प्रदेश में प्रभु के लिए काम कर रहा था तो एक बार मैं जबलपुर की एक कलीसिया में प्रभु का वचन प्रचार कर रहा था कि यीशु ही प्रभु है। आखिरी बेंच पर बैठा एक व्यक्ति सिर हिलाकर संदेश को उत्सुकता से सुन रहा था। सेवा के बाद, मैंने उस व्यक्ति से मुलाकात की और बातचीत शुरू की। मैंने उनकी रूचि पर सवाल उठाया और उन्होंने अपना अनुभव साझा किया।

भईया, मैंने इस क्षेत्र में एक दुष्ट जीवन व्यतीत किया है। मैं उन सभी का विरोध करता था, उनका मजाक उड़ाता था और उन्हें परेशान करता था जो यीशु के बारे में बात करते थे। मैं उन संगठनों में शामिल हो गया जो मसीहियों का विरोध करते हैं और रविवार की सेवाओं को बंद करने की योजना बनायी जाती है। इसके लिए मैंने कई कलीसियाओं को नष्ट करने और रविवार की आराधना के दौरान भ्रम/डर पैदा करने के लिए एक समूह तैयार किया। एक दिन पूरी योजना के साथ, मैं शनिवार की रात बिस्तर पर गया। मुझे रविवार की सुबह आराधनालयों में समस्या शुरू करना है। लेकिन मैं अपने बिस्तर से उठ नहीं पा रहा था। मैं अपने पैर और हाथ हिलाने में असमर्थ था। मैं अपना मूँह तो खोल पा रहा था लेकिन बोल नहीं पा रहा था। मैं अपने चारों ओर अपनी पत्नी और बच्चों को देख सकता था। मैं एक इंच भी हिलने में असमर्थ था। मैं उस शक्ति को समझने और महसूस करने में असमर्थ था जिसने मुझे बांध रखा था। सुबह 11 बजे तक मुझे छुटकारा मिल गया था और मैं बोलने में सक्षम हो गया था। उस समय तक आराधना भवन की सभी सभाएँ जिन्हें मैंने रोकने की योजना बनाई थी, समाप्त हो चुकी थीं और जो समूह मेरा इंतजार कर रहा था वह भी तित्तर–बित्तर हो गया था। तब मुझे यीशु की सामर्थ्य का एहसास हुआ जिसके साथ मैं संघर्ष कर रहा था। यीशु ने शाऊल को पौलुस में बदल दिया और इसी तरह, उसने मुझे भी बदल दिया। वह यीशु तब भी था अब मेरा भी प्रभु है। आज हमें यह घोषित करने की आवश्यकता है कि यीशु ही प्रभु हैं।

हम 6 लाख गाँवों की बात करते हैं और 6 लाख खुले हुए द्वार हैं।
क्षेत्रीय सेवक सुसमाचार प्रचार करते हैं, और हम उनका सहयोग करते हैं,
हम उनके लिए दरार पर खड़े होने के लिए एकत्र हुए हैं।
यीशु, हमारे परमेश्वर, हम हर शहर और पूरी दुनिया में प्रचार करते हैं।
यीशु, हमारे उद्धारकर्ता, हम सभी सुसमाचार वंचित लोगों को वचन प्रचार करेंगे। ■

कार्यक्षेत्र के समाचार

स्तुति - प्रार्थना

"क्योंकि यहोवा अपनी प्रजा से प्रसन्न रहता है;
वह नम्र लोगों का उद्धार कर के उन्हें शोभायमान करेगा" (भजन संहिता 149:4)

जम्मू कश्मीर

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में 4 परिवार सुसमाचार बाँटने के लिये आगे आये। हेम्बल प्रांत में प्रारम्भ किए गए आराधना समूह में नयी आत्माऐं शामिल हो रही हैं। 10 लोगों ने मसीह में अपना नया जीवन प्रारम्भ किया। बहन मोस्मी को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला, वह अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रही हैं।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली खोजियों की सभा में पवित्र आत्मा कार्य करने के लिये। इस कार्यक्षेत्र में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये। कार्यकर्ता संजय भगत के परिवार को प्रभु बच्चे की आशीष देने के लिये। चंद्रकोट और चौकी क्षेत्र में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, उनकी आत्मिक उन्नति के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में कई लोग परमेश्वर के वचन में रूचि ले रहे हैं। नेहा के परिवार को 6 वर्षों के बाद प्रार्थना के माध्यम से बच्चे की आशीष मिली। 14 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया और स्वयं को प्रभु के लिये समर्पित किया। क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से सेवकाई के लिये 15 गाँवों को चिन्हित किया गया।

प्रार्थना करें: गुडवाल क्षेत्र के 3 लोगों की गवाही के माध्यम से उनके समस्त परिवार का उद्धार होने के लिये। कार्यकर्ता प्रेम चुनारा जिनके घर में आग लग गयी थी, उनके घर का पुनर्निर्माण होने के लिये। धौला कुआँ क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये उचित भूमि प्राप्त होने के लिये। 10 युवा जिन्होंने सेवकाई के लिये स्वयं को समर्पित किया है, उनके प्रशिक्षण के लिये, कृपया प्रार्थना करें

पंजाब

परमेश्वर की स्तुति हो: 15 युवाओं को प्रभु यीशु मसीह के प्रेम ने स्पर्श किया और वह अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रहे हैं। 26 गाँवों में आयोजित रात्रि सभाओं के माध्यम से हमें नए सम्पर्क प्राप्त हुये। इस क्षेत्र में कई लोगों ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। कार्यकर्ता संदिप कुमार की बेटी दीपिका को अपनी बीमारी से पूर्ण चंगाई मिली।

प्रार्थना करें: खेरा क्षेत्र के विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये। मौर मंडी और परमानंद आराधना समूह के लिये आराधना भवन के निर्माण के लिये। इस क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार सभाओं में नयी आत्माऐं शामिल होने के लिये। गुरदासपुर और भटिंडा जिले में क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से सेवकाई प्रारम्भ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई हरीश और दिलीप के परिवार प्रभु यीशु की सेवा के लिये आगे आये। कार्यकर्ता मनीष कुमार को पीलिया के रोग से चंगाई मिली। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु के प्रेम को जाना।

प्रार्थना करें: उत्तर काशी जिले में सेवकाई के लिये प्रभु का मार्गदर्शन होने के लिये। डोईवाला क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि प्राप्त होने के लिये। इस कार्यक्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हरियाणा

परमेश्वर की स्तुति हो: राकेश का परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। 45 लोग विश्वास में दृढ़ हुये। इस कार्यक्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु के प्रेम को जाना।

प्रार्थना करें: इस कार्यक्षेत्र में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये। भाई राकेश

कुमार जो मस्तिष्क के ट्यूमर से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। इस क्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान – उदयपुर प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः भाई ईश्वर लाल को लकवे के रोग से चंगाई मिली। 17 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 15 लोग विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। भाई राजेश को मानसिक रोग से चंगाई मिली।

प्रार्थना करें: 15 वर्षीय सावजी को कुष्ठ रोग से चंगाई मिलने के लिये। युवा नारायण बुम्बारिया जो नशे के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा में नयी आत्मायें शामिल होने के लिये। बडला क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान – बाँसवाड़ा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः विश्वासी लक्ष्मण ने सुसमाचार सभा के लिये अपने घर का द्वार खोला। सरपोटा बड़ा गाँव में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ करने में प्रभु ने हमें सक्षम बनाया। सभा को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। रशोदी और वागेरी क्षेत्र में सेवकाई फलवंत हो रही है।

प्रार्थना करें: भाई मनु और कालू और उनके परिवार का उद्धार होने के लिये। अंगलियापाड़ा और गलादर क्षेत्र के विश्वासियों के माध्यम से आसपास के गाँव में आयोजित होने वाली सभाओं के लिये। रेगनिया क्षेत्र में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये। इस क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार कार्य फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – भोजपुरी प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः भाई शिवपुजन राम को प्रार्थना के द्वारा मानसिक रोग से चंगाई मिली। इस क्षेत्र में कई परिवारों को परमेश्वर के प्रेम ने स्पर्श किया और वे आराधना समूह में शामिल हुये। घमहापुर और सिंहपुर क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार सभाओं के माध्यम से कई बीमार लोगों ने चंगाई प्राप्त की। इस कार्यक्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों परमेश्वर के प्रेम को जाना।

प्रार्थना करें: इस कार्यक्षेत्र के दुर्गम क्षेत्रों में सेवकाई के लिये दुपहिया वाहन की आवश्यकता है। अरागिसारापट्टी क्षेत्र में जिन्होंने परमेश्वर का वचन सुना,

उनका उद्धार होने के लिये। युवा सोहन गुप्ता जो टी.बी के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। विश्वासी संजय मौर्या की गवाही के माध्यम से उनके परिवार का उद्धार होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

बिहार

परमेश्वर की स्तुति हो: सारण जिले में सेवकाई के लिये 15 गाँवों को चिन्हित किया गया। इस कार्यक्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने परमेश्वर के प्रेम को जाना। 15 क्षेत्रों में आयोजित दबोरा कैंप के माध्यम से कई बहनें परमेश्वर के वचन में दृढ़ हुईं। 5 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र के कई लोग जिन्होंन मसीह में नया जीवन प्रारम्भ किया, वे विश्वास में बढ़ने के लिये। विश्वासी अलोक कुमार और उनके परिवार की गवाही के माध्यम से कई लोगों का उद्धार होने के लिये। पटना में कार्यरत वेबकेन्द्र के लिये कम्प्यूटर और प्रिंटर की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में सेवकाई के लिये पूर्णकालीन सेवकों की आवश्यकता के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

झारखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: 3 क्षेत्रों में आराधना समुह प्रारम्भ किया गया। बुडु गाँव की बहनें, दबोरा कैंप के माध्यम से परमेश्वर के वचन में बढ़ रही हैं। पोयरा क्षेत्र में 16 लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। मंकु ऑरान जो प्रभु के प्रेम से दुर थे, परमेश्वर के वचन ने उन्हें स्पर्श किया।

प्रार्थना करें: लालादेव और अयूब मांझी जिनका सड़क दुर्घटना के कारण पैर टूट गया है, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। भाऊरो ऑरान के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। फूलपत्ती देवी का परिवार जो पिछले बारह वर्षों से बच्चे के उपहार की प्रतीक्षा कर रहे हैं, प्रभु उन्हें बच्चे के उपहार के साथ आशीषित करने के लिये। भरनो क्षेत्र में आयोजित ऑरान मेला के माध्यम से सेवकाई फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – कूचबेहार जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में बाँटे गए ट्रेक्टस के माध्यम से हमें नए सम्पर्क प्राप्त हुये। भीम छेत्री और पबित्रा देबसिंघा सुसमाचार सुनने में रूचि ले रहे हैं। 7 परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। ममता बर्मन और उनका परिवार गुमानी क्षेत्र में शांति का पात्र हैं।

प्रार्थना करें: 26 लोग जिन्होंने पहली बार सुसमाचार सुना, वे मसीह में नयी सृष्टि बनने के लिये। दीपुलाईन क्षेत्र के विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये। एंटनी टोपनो जो टी.बी के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। इस क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार सभाओं के माध्यम से लोग आशीषित होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – दार्जिलिंग जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: 18 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। साहिल लौहार ने सुसमाचार के लिये अपने घर का द्वार खोला। खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु के प्रेम को जाना। युवा अमर राय ने पश्चाताप किया और उनके समस्त परिवार को शान्ति मिली।

प्रार्थना करें: नम्बोतरी क्षेत्र के लोगों को नशे से छुटकारा मिलने के लिये। सन्यासी क्षेत्र में सुसमाचार के लिये द्वार खुलने के लिये। एज्रा कैंप के माध्यम से सेवकाई के लिये चिन्हित किए गए 15 सेवकों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

असम

परमेश्वर की स्तुति हो: 12 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। कालियाचुक क्षेत्र में आराधना भवन समर्पित सभा के माध्यम से कई लोगों के साथ परमेश्वर का प्रेम बाँटा गया। विश्वासी दिपिका पेगु की गवाही के माध्यम से नए सम्पर्क प्राप्त हुये। 13 लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना।

प्रार्थना करें: बोरपारा में निरंतर चलने वाली रात्रि सभाओं के माध्यम में शामिल होने वाले लोगों का उद्धार होने के लिये। बपतिस्में के लिये तैयार लोग आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये। बिश्वनाथ और मालोती के परिवार के मध्य प्रभु की शांति होने के लिये। 4 लोग जो विश्वास में पीछे हो गये है, वे पूनः विश्वास में आने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मणिपुर

परमेश्वर की स्तुति हो: दंपत्ति सतीश और रेणु देवी को 6 वर्षों के बाद प्रार्थना के माध्यम से बच्चे की आशीष मिली। 49 क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। 4 परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। 6 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: सुरजीत और सुशील के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। थियान्नु

जो रीढ़ की हड्डी में कैंसर से रोग ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। बपतिस्में के लिये तैयार लोगों के लिये। इस कार्यक्षेत्र के सेवकों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – गजपति और गंजाम जिला

परमेश्वर की स्तुति होः 9 लोग विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। प्रकाश जानी जो पिछले 3 वर्षों से एनीमिया से ग्रसित थीं, प्रभु ने उन्हें नयी सामर्थ दी। 4 परिवारों ने प्रभु यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: कार्यकर्ता प्रशांत मंडल जिनका नवजात बच्चा प्रभु में सो गया है, प्रभु उन्हें सांत्वना देने के लिये। सौरा पैलेम क्षेत्र के विश्वासी आसपास के गाँव में सुसमाचार बाँटने के लिये। इस क्षेत्र में बोया गया परमेश्वर का वचन फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – कंधमाल जिला

परमेश्वर की स्तुति होः 20 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। बहन रमीता प्रधान को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। बुद्रुमाहा क्षेत्र के विश्वासियों ने आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि तैयार की, प्रभु की स्तुति हो।

प्रार्थना करें: तुमुदीबंधा क्षेत्र में आयोजित सभाओं के माध्यम से, यहां विश्वासीजन आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये। बाघाडांगेरी क्षेत्र में जो युवा नशे के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। कोथोगढ़ प्रांत में सेवकों को भेजने के लिये किए गए प्रयासों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः झिंगरेल और कुलीपोटा क्षेत्र में आराधना समूह प्रारम्भ किया गया। इस क्षेत्र में कई लोगों ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने प्रभु के प्रेम को जाना। पैंटोरा आराधना समूह में कई परिवार शामिल हुये।

प्रार्थना करें: डांगबुड़ा क्षेत्र में कुरूख विश्वासियों के लिये आयोजित होने वाली मेले की तैयारियों के लिये। बुदगहन और खमरिया क्षेत्र में आराधना समूह प्रारंभ होने के लिये। नरेंद्र यादव जो शराब के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। कुंतीबाई के परिवार को प्रभु बच्चे की आशीष देने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – रायपुर प्रांत

परमेश्वर की स्तुति होः इस क्षेत्र के लोग सुसमाचार में रूचि ले रहे हैं। 4 वर्षीय रूबेन को दौरे पड़ने के रोग से चंगाई मिली। मंदिरहसौद आराधना भवन के मरम्मत का कार्य पूर्ण हुआ। 13 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया और आराधना समूह में शामिल हुये।

प्रार्थना करें: 13 सेवकों, जिन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, प्रभु उन्हें अपने राज्य के विस्तार के लिये बहुतायत से उपयोग करने के लिये। आशा के परिवार को शांति मिलने के लिये। दल्लीराजहरा क्षेत्र में आयोजित सुसमाचार सभा में नयी आत्मायें शामिल होने के लिये।

मध्य प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति होः 4 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। विश्वासी निर्मला की गवाही के माध्यम से उनके समस्त परिवार का उद्धार हुआ। भाई सुरेश जो लकवाग्रस्त थे, और चलने में असमर्थ थे, वे यीशु के नाम में चल रहे हैं। ललित के परिवार को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी। भाई राजू ने सुसमाचार कार्य के लिये अपने घर का द्वार खोला।

प्रार्थना करें: पिपरिया क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये। भाई नारायण और रचना के परिवार के उद्धार के लिये। इस क्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

सुसमाचार - जीवन देने वाली रोशनी

मैं बिहार के रूपसपुर गाँव से हूँ। मैं हमेशा उदास रहती थी और यह दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही थी, और मैं इस बात से अनभिज्ञ थी कि अपने जीवन में कैसे प्रभावशाली बनूँ। मैंने कई महीनों तक अपनी शांति और आन्नद को खो दिया था। यीशु के साथ मेरा परिचय कराया गया जो उन सभी को आमंत्रित करता है जो अपने हृदय में बोझ से दबे हुए हैं। यह मैं प्रचारक भाई से जान पायी। जीवित वचन के माध्यम से मुझे एहसास हुआ कि यीशु के पास उन दुःखों को शांत करने की सामर्थ्य है जो मेरे हृदय को अशांत और परेशान करती है। मैने अपने पाप स्वीकार किया और यीशु में अपने विश्वास को स्वीकार किया। इस नये अनुभव से यीशु द्वारा मुझे शांति मिली और मैं मसीह में एक नई सृष्टि बन गयी। वर्त्तमान में मैं उन विरोधों का साम्हना कर रहा हूँ जो मेरे रिश्तेदारों और ग्रामीणों द्वारा उठाये गये हैं, लेकिन मैं मसीह के प्रेम के द्वारा उनका साम्हना कर रही हूँ। मसीह द्वारा मुझे अपने पूरे परिवार को बंधनों से छुटकारा प्राप्त करने के लिए प्रभु की अनुग्रह प्राप्त हुआ है। मसीह के द्वारा उस प्रकाश को दूसरों के साथ बांटने की मेरी इच्छा है, जिसने मुझे और मेरे रिश्तेदारों को अंधकार से निकाल लाया है। *– विश्वासी पुष्पा कुमारी*

कटनी के स्वामी के पद चिन्हों पर चलते हुए...

पूरे भारत मे नियत समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि सुसमाचार प्रचारक और विश्वासी आत्माओं की कटनी में व्रीवता ला सकें और परमेश्वर के वचन और आत्मिक जीवन में जड़ पकड़ते चले जाएं।

17 से 19 अप्रैल तक हैदराबाद में आयोजित प्रशिक्षण में पूरे भारत से 56 समन्वयकों ने भाग लिया। उन्हें (राजा और राज्य) शीर्षक के तहत वचन में मजबूत किया गया ताकि वे परमेश्वर के तलवाररूपी वचन का सेवा में सामर्थ्य से अधिकतम उपयोग कर सके।

हम प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए "अन्तराष्ट्रीय क्रिश्चियन (ICM) मिशन" को धन्यवाद देते हैं। यह उन गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने के दर्शन के साथ काम करता है जिन्होने एक बार भी सुसमाचार नही सुना है। प्रशिक्षण का मुख्य विषय यह है कि यीशु मसीह के सुसमाचार को पूरे भारत में प्रचारित किया जाना चाहिए और गाँवों को सच्चे प्रकाश की ओर आकर्षित करने वाले प्रकाश स्तंभ के रूप में चमकना चाहिए।

विश्वासियों और सुसमाचरकों के लिए प्रार्थना जारी रखें कि वे वचन में गहरी जड़ पकड़ते चले जायें। – प्रशिक्षण सेवा समन्वयक

फलदायी जीवन
प्रभु की आशीष

मैं छत्तीसगढ़ के सुखारापारा गाँव से हूँ और संसारिक जीवन व्यतीत करती थी। एक युवा के रूप में मैंने सुखारापारा गाँव में कुछ लोगों को यीशु के पीछे चलते देखा। मैं अपने दोस्तों के साथ मिलकर उनका मजाक उड़ाया करती थी। परन्तु यीशु के प्रेममय हाथों ने मुझे नहीं छोड़ा। अप्रत्याशित रूप से परमेश्वर ने मुझे एक विश्वासी परिवार से जोड़ दिया। उन्होंने मुझे यह समझने के लिए तैयार किया कि यीशु कौन है और उस अन्नत जीवन को जानने के लिए मेरी सहायता की जो हमें उससे मिलता है।

आज मैं एक फलवंत जीवन जी रही हूँ। अब मैं अपने जीवन के माध्यम से हमारे घर के पास रहने वाली महिलाओं के साथ परमेश्वर के प्रेम और उसके वचन को प्रचार करने में सक्षम हूँ। ताकि जो लोग समस्याओं और आंसुओं में डूबे हुए हैं वे सुसमाचार के माध्यम से उनसे उबर कर किनारे तक पहुँच सकें।

– दिव्या बेक

सेवा के लिए सम्पर्क करें

JAMMU: Vishwa Vani, C/o Ashirwad Bhawan, H.NO. 165, Lane-2, Christian Colony, New Plot, Jammu-180005. Mobile No- 9469289692, 9419287712.

PUNJAB/HP: Vishwa Vani, C/o Dr. Sony Astha Dental lab, 2-A, Ward No-13, Dev Nagari, Near Hossana Church, Behind Dr. Rajpal Hospital Camini, Pathankot, Punjab- 145001, Mobile No-9915651260.

UTTRAKHAND: Vishwa Vani, Vill. Gorakhpur Aarkediya Grant, Christian Colony Near Methodist Church Water Tank, P.o Badowala Prem Nagar, District Dehradun, Uttarakhand - 248007, Mobile: 9557968104.

DELHI: Vishwa Vani, F-11, First Floor, Vishwakarma Colony, M.B. Road, New Delhi - 110044, Ph: 0129- 4838657; Mobile No: 9910762447.

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, Raj Villa 11/32/1 Indira Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh - 226016 Mobile No- 8687951286.

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, C/o Mr. Ram Kumar Joswa, Jhabra (Jalalpur) Deipur Jansa , Varanasi, Uttar Pradesh-221405, Mobile No: 9559351020

RAJASTHAN: Vishwa Vani, Mission Compound, Banswara, Rajasthan - 327001, Mobile No-9414725164.

RAJASTHAN: Vishwa Vani, C/o Abhram Ninama, 29, Jaldarshan Complex, Sanjay Park, Rani Road, Udaipur, Rajasthan - 313001, Mobile No-9602385024.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, 2/6-A, Sarvajan Colony, Akbarpur Nayapura, Kolar Road,Bhopal, Madhya Pradesh - 462042, Mobile No - 9770252588.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, C/o Mrs. Neena singh, 146 M.C.I. Colony, Near Anchal Vihar Katanga, Jabalpur, Madhya Pradesh - 482001, Mobile: 7722916665.

BIHAR: Vishwa Vani, CA/59, Near Malahi Pakri Chowk, PC Colony, Kankarbagh, Patna, Bihar-800020, Mobile No- 9110966419; 9337652667.

JHARKHAND: Vishwa Vani, C/o Kachhap Niwas, Bodra Lane Nayatoli. H.B.Road,Ranchi, Jharkhand - 834001. Mobile No-9431927472; 7909013933.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, H.No. D- 4, Shatabadi Nagar, Telibandha, Post- Ravi Gram, Raipur 492006, Chhattisgarh, Mobile No. 9826452343, 7879125657.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, Thomson Villa, H.NO-58, Ward No-17, Mission Road Bhojpur, Champa, Dist-Janjgir-Champa, Chhattisgarh - 495671, Mobile No:7987020083; 9926176754.

वर्तमान समाचार

रिर्पोट इस बात पर प्रकाश डालती है कि जलवायु परिवर्तन के 2050 तक छह महाद्वीपों के 216 मिलीयन/लाख लोगों को अपने देशों के भीतर स्थानांतरति होने के लिए मजबूर होने की उम्मीद है। हालांकि जलवायु परिवर्तन प्रवास का एकमात्र चालक नहीं है, यह समुदायों और विभिन्न प्रणालियों पर वर्त्तमान दबाव को बढ़ा देता है, जिससे विस्थापन में वषद्धि होती है।

रिर्पोट प्रमुख प्रवासन आँकड़ों का अवलोकन प्रदान करती है:

2020 में वैश्विक स्तर पर 281 मिलियन/लाख अंतराष्ट्रीय प्रवासी (विश्व की जनसंख्या का 3.6 प्रतिशत)

2019 में वैश्विक स्तर पर 169 मिलियन/लाख प्रवासी श्रमिक

2023 में वैश्विक स्तर पर लगभग 8500 प्रवासियों के मरने या लापता होने की सूचना मिली।

हालाँकि, विस्थापन के कारण मानवीय संकट एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, आधुनिक युग में जबरन विस्थापन अपने उच्चतम रिकॉर्ड पर है, जो पर्यावरणीय प्रभावों और जलवायु परिवर्तन के कारण और भी गंभीर हो गया है।

हे स्वर्गीय पिता, उन लोगों की रक्षा कर जो एक देश से दूसरे देश में पलायन कर रहे हैं।

भारत में खराब आहार संबंधी आदतों से संबंधित बढ़ते स्वास्थ्य मुद्दों के जवाब में, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर) ने 9 मई 2024 को आहार संबंधी सिफारिशों के एक व्यापक सेट का अनावरण किया। ये दिशा निर्देश खतरनाक आंकडे को संबोंधित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं कि 56.4 प्रतिशत भारत में बीमारियों का बोझ अस्वास्थ्यकर खान–पान के कारण है।

हे, स्वर्गीय चंगाई देने वाले प्रभु, समस्त मानव जाति को पोशक भोजन प्रदान करें।

रेव्ह. डॉ. ई.पी. एडविन

की सेवकाई को स्मरण करते हुए...

रेव्ह. डॉ. ई.पी. एडविन को सम्मानजनक सेवकाई के लिए परमेश्वर ने हारून के रूप में बुलाया और उन्हें मदुरै–रामनाथपुरम प्रांत में एक सेवक के रूप में परमेश्वर द्वारा सामर्थी रूप से इस्तेमाल किया गया। 10 मई 2024 को 92 वर्ष की आयु में प्रभु ने उन्हें अपने अनंत महिमा में बुला लिया।

रेव्ह.डॉ.ई.पी.एडविन ने गवाही के साथ पवित्रता का जीवन जीया। वे परमेश्वर के राज्य का निर्माण करने के लिए अपनी स्वार्थी इच्छाओं को नकार कर सुसमाचार फैलाने के लिए समर्पित थे। हम परमेश्वर के इन जन के जीवन को स्मरण करते हुए परमेश्वर को धन्यवादी है और उसकी स्तुति करते हैं जो अब शांति से विश्राम कर रहे हैं। उन्होंने और उनके परिवार ने मदुरै के पसुमलाई में अपनी जमीन दान में दे दी, जहाँ आज हमारा विश्ववाणी प्रार्थना केन्द्र है। उन्होंने उत्तर भारत के गाँवों में भी सुसमाचार प्रचार करने का मार्ग प्रशस्त किया। जिन सुसमाचार प्रचारकों को रेव्ह.डॉ.ई.पी.एडविन का सहयोग प्राप्त था। वे पूरे भारत में सुसमाचार बांट रहे हैं।

प्रभु हमें उस दिन एडविन भाईया से मिलने का विश्वास प्रदान करें जब वह स्वामी के साथ लौटेंगे जब प्रभु दोबारा आएंगे। आइए, हम उनके उदाहरण का अनुसरण करें और प्रभु के गवाह बन जाएं। प्रभु कलीसियाओं में ऐसे ही सरल, विनम्र लोगों की बहुतायत करें जिनके हृदय सुसमाचार प्रचार करने के उत्साह से भरे हुए हैं। कृप्या रेव्ह.डॉ.ई.पी.एडविन की पत्नी श्रीमती ग्रेस और उनके बच्चों श्री सेल्मेंट, श्रीमती विनीफ्रेड देवदास और श्री जॉनसन और उनके परिवारो के लिए प्रार्थना करें। कृप्या यह भी प्रार्थना करें कि परमेश्वर आने वाली पीढ़ियों पर अपना अनुग्रह बनाए रखें।

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2024-2026 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.05.2024
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2024-2026

Return Requested: VISHWAVANI SAMARPAN
1-10-28/247, Anandapuram,
ECIL Post, Hyderabad-500062.

प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को प्रचार करने वाले सुसमाचार प्रचारकों और दुर्गम क्षेत्रों में सुसमाचार को स्वीकार करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। स्वर्ग आनन्द मना रहा है। प्रभु की स्तुति हो!

SONEGAON, MAHARASHTRA - 11.04.24

DATTAPPAGUDEM, TELANGANA - 16.04.24

DUMURDIHA, ODISHA - 26.04.24

KALIACHUK, ASSAM - 28.04.24

CTM GUDA, A.P. - 05.05.24

ANTIVALASA, A.P. - 05.05.24

VISHWA VANI SAMARPAN – HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.05.2024**. EDITOR: P. SELVARAJ